एम.जी.एन.सी.आर.ई.
@25
सतत रूप से
ग्रामीण लचीलापन
का निर्माण

द रुरल कनेक्ट

खंड 01 अंक 04 हैदराबाद अक्टूबर 2021 8 पृष्ठ रु.5/-

महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद
Mahatma Gandhi National Council of Rural Education
उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

"कौशल को स्कूल और उच्चतर शिक्षा में एकीकृत करने की आवश्यकता है क्योंकि यह शिक्षा के मूल्य को बढ़ाता है और शिक्षा के लिए रोजगार को स्कूल से उच्चतर शिक्षा तक जोड़ता है," श्री के. संजय मूर्ति के शिक्षा सचिव के रूप में कार्यभार ग्रहण करने और श्री अमित खरे के सेवानिवृत्ति के अवसर पर 30 सितंबर को ए.आई.सी.टी.ई. सभागार में संबोधित करते हुए शिक्षा और कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा है।

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (ए.आई.सी.टी.ई.) ने पूर्व शिक्षा सचिव श्री अमित खरे के सम्मान में एक समारोह का आयोजन किया। श्री के. संजय मूर्ति भारत के नए उच्चतर शिक्षा सचिव हैं, श्री अमित खरे की सेवानिवृत्ति पर उनकी जगह लेंगे। डॉ. डब्ल्यू जी प्रसन्न कुमार अध्यक्ष एम.जी.एन.सी.आर.ई. भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

श्री धर्मेंद्र प्रधान ने नए शिक्षा सचिव का स्वागत करते हुए कहा, "मैं कौशल को अधिक जीवंत और आकांक्षी बनाने और एन.ई.पी. के कार्यान्वयन में नए मानदंड हासिल करने के लिए श्री संजय मूर्ति के साथ काम करने के लिए उत्सुक हूँ।"

"शिक्षा में एक जीवंत डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र छात्रों के लिए सीखने के अवसरों का विस्तार करेगा, शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देगा" श्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा

शिक्षक दिवस के अवसर पर संबोधित करते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने राष्ट्र निर्माता के रूप में शिक्षकों की सराहना करते हुए शिक्षा में अधिक से अधिक समावेश लाने के लिए डिजिटल डिवाइड को पाटने और पहुंच से बाहर तक पहुंचने का आह्वान किया। उन्होंने शिक्षा और कौशल विकास के स्पेक्ट्रम को कवर करने के लिए मौजूदा प्लेटफार्मों का विस्तार करने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने के लिए अभिनव दृष्टिकोण का आह्वान किया। “महामारी के दौरान शिक्षा में की गई डिजिटल पहल को मजबूत और संस्थागत बनाया जाएगा। सरकार भविष्य के लिए तैयार कार्यबल बनाने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन.ई.पी.) 2020 में उल्लिखित शिक्षा और कौशल के बीच अधिक तालमेल बनाने की दिशा में काम कर रही है।

अधिक निज़ी संस्थानों को राष्ट्रीय रैंकिंग में भाग लेने की आवश्यकता है......

केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने राष्ट्रीय रैंकिंग फ्रेमवर्क (एन.आई.आर.एफ.) रैंकिंग 2021 का छठा संस्करण जारी किया। समग्र श्रेणी में आई.आई.टी. मद्रास अग्रस्थान पर है, जबकि आई.आई.एस.सी. बेंगलुरु दूसरे स्थान पर है। इसके बाद आई.आई.टी. बॉम्बे का स्थान है। संस्थानों को शिक्षण, सीखने और संसाधन (टी.एल.आर.), अनुसंधान और पेशेवर अभ्यास (आर.पी.), स्नातक परिणाम (जी.ओ.), आउटरीच और समावेशिता (ओ.आई.), सहकर्मी धारणा के आधार पर अंक दिए जाते हैं।

श्री धर्मेंद्र प्रधान ने और अधिक निजी संस्थानों को राष्ट्रीय रैंकिंग में भाग लेने और स्वच्छता में अपने प्रयासों के लिए मान्यता प्राप्त करने का आह्वान किया। "स्वच्छ और हरित परिसरों के साथ-साथ अपशिष्ट प्रबंधन प्रौद्योगिकियों को अपनाना और जल संरक्षण समय की आवश्यकता है" उन्होंने पुष्टि की।

नए शिक्षा सचिव श्री के. संजय मूर्ति ने एम.जी.एन.सी.आर.ई. को एजेंडा दिया

- *स्वच्छता कार्य योजना के तहत उच्चतर शैक्षणिक संस्थानों के स्थिरता अनुक्रमणिका का आकलन करने के लिए मात्रात्मक प्रदर्शन संकेतकों को लिया जाएगा*
- *कौशल विकास पहलुओं को एम.जी.एन.सी.आर.ई. के व्यावसायिक शिक्षा-अनुभवात्मक शिक्षण उन्मुख कार्य में एकीकृत किया जाना है।*
- *कौशल विकास विभाग के साथ समन्वित प्रयास की एक पद्धति को अंतिम रूप देकर शिक्षा मंत्रालय को प्रस्तुत करना है*
- *परिसर स्थिरता संकेतक के कार्यों के समेकन की एक विधि एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा प्रस्तुत की जानी है।*

संपादक की टिप्पणी

मैं नए शिक्षा सचिव श्री के. संजय मूर्ति को हार्दिक शुभकामनाएं देता हुँ। एम.जी.एन.सी.आर.ई. अधिक प्रभावशाली और प्रगतिशील कार्यों के लिए मंत्रालय के साथ और अधिक समन्वित प्रयासों की अपेक्षा करता है।

शिक्षक ही देश के भाग्य का निर्माण करते हैं। शिक्षक व्यक्तित्व निर्माता, समाज निर्माता और राष्ट्र निर्माता हैं। शिक्षक दिवस के अवसर पर मैं शिक्षक बंधुओं को शुभकामनाएं देता हुँ। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने भारत को एक वैश्विक ज्ञान महाशक्ति के रूप में स्थापित करने का एक महत्वाकांक्षी उद्देश्य निर्धारित किया है। मैं ऐसी शिक्षा की परिकल्पना करता हुँ जिससे छात्र संवैधानिक मूल्यों और मौलिक कर्तव्यों के प्रति प्रतिबद्धता विकसित करें, और वे बदलते वैश्विक परिदृश्य में अपनी भूमिका से अवगत हों।

एम.जी.एन.सी.आर.ई. - गतिविधियों की समीक्षा - सितंबर 2021

25 लघु अनुसंधान परियोजनाएं, **24** प्रमुख अनुसंधान परियोजनाएं, **20** पी.एच.डी. फैलोशिप - आरंभ

3 जिला स्तरीय कार्यशालाएं/**14** उच्चतर शैक्षणिक संस्थान/**56** संकाय सदस्य - **ग्रामीण उद्यमिता** को बढ़ावा देने के लिए **एक जिला एक उत्पाद (ओ.डी.ओ.पी.)** दृष्टिकोण के साथ एच.ई.आई. को जोड़ना और 4 राउंड टेबल बैठके

जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थानों में 428 व्यावसायिक शिक्षा कार्यशालाएं/18481 कार्य योजनाएं/23329 प्रतिभागी (कुल अब तक)

258 स्वच्छता कार्य योजना जिला स्तरीय क्लस्टर कार्यशालाएं/**1927** संस्थाएं/**4926** प्रतिभागी

ग्रामीण प्रबंधन के लिए एच.ई.आई. के साथ **4** समझौता ज्ञापन

यू.बी.ए. - आर.सी.आई., एम.जी.एन.सी.आर.ई. के तहत नव चयनित यू.बी.ए. पी.आई. के लिए उन्मुखीकरण कार्यक्रम

व्यावसायिक शिक्षा अध्यापन मैनुअल - शिक्षक प्रशिक्षुओं के लिए विकसित कार्यशाला मैनुअल - एक जिला एक फसल / क्राफ्ट के एकीकरण के लिए व्यावसायिक शिक्षा अध्यापन

"ग्रामीण प्रबंधन: सिंचाई प्रबंधन" **बी.बी.ए. आर.एम. पाठ्य पुस्तक** प्रकाशित

बी.बी.ए. ग्रामीण प्रबंधन में **15 ए.वी. पाठ**

एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने वर्ष 2021-22 के लिए एम.जी.एन.सी.आर.ई. अनुसंधान परियोजनाओं (प्रमुख / लघु परियोजनाओं) और पी.एच.डी. फैलोशिप के लिए भारतीय सार्वजनिक नीति शोधकर्ताओं और कार्यान्वयन समीक्षा संगठनों / अनुसंधान संगठनों को बुलाया। प्रस्तावित अध्ययन बहुविषयक हो सकते हैं या सामाजिक विज्ञान विषय से संबंधित हो सकते हैं। मानदंड और प्राथमिकता वाले क्षेत्र राज्य और केंद्र सरकारों द्वारा लागू की जाने वाली सार्वजनिक नीतियां हैं जो ग्रामीण भारत की चिंताओं को संबोधित करने वाले तत्व हैं।

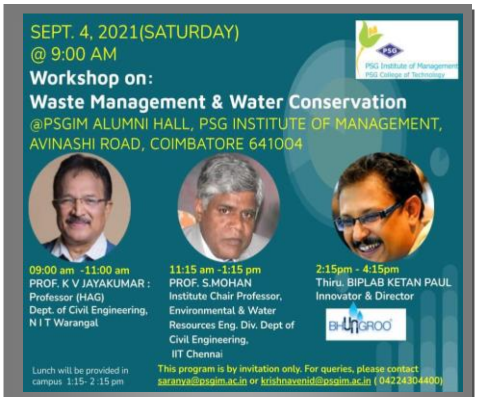
SEPT. 4, 2021(SATURDAY)
@ 9:00 AM
Workshop on:
Waste Management & Water Conservation
@PSGIM ALUMNI HALL, PSG INSTITUTE OF MANAGEMENT, AVINASHI ROAD, COIMBATORE 641004

09:00 am -11:00 am
PROF. K V JAYAKUMAR :
Professor (HAG)
Dept. of Civil Engineering,
N I T Warangal

11:15 am -1:15 pm
PROF. S.MOHAN
Institute Chair Professor,
Environmental & Water Resources Eng. Div. Dept of Civil Engineering,
IIT Chennai

2:15pm - 4:15pm
Thiru. BIPLAB KETAN PAUL
Innovator & Director

Lunch will be provided in campus 1:15- 2 :15 pm

This program is by invitation only. For queries, please contact saranya@psgim.ac.in or krishnavenid@psgim.ac.in (04224304400)

एन.आई.टी. वरंगल ने एम.टेक. अपशिष्ट प्रबंधन शुरू किया है। कोर्स भरा हुआ है। पी.एस.जी. कॉलेज कोयंबटूर ने एम.बी.ए. अपशिष्ट प्रबंधन शुरू कर दिया है और इसके लिए फैकल्टी की भी भर्ती की है। इसकी शुरुआत इसी सेमेस्टर से होगी। 9 अन्य संस्थानों ने एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा परिकल्पित और विकसित अपशिष्ट प्रबंधन और सामाजिक उद्यमिता में ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा अनुमोदित पाठ्यक्रम शुरू किया है। अपशिष्ट प्रबंधन में उ.शि.सं. का योगदान बहुत बड़ा होगा। देश में अपशिष्ट प्रबंधन पेशे के लिए शुभकामनाएं।

20 पी.एच.डी. रिसर्च फेलोशिप राज्य और केंद्र सरकारों द्वारा लागू की गई सार्वजनिक नीतियों के परिणामों पर अध्ययन के लिए प्रदान की गई थी, जिसमें ग्रामीण भारत की चिंताओं को संबोधित करने वाले तत्व थे। 24 प्रमुख अनुसंधान परियोजनाओं को पुरस्कृत किया गया। काम पाठ्यक्रम विकास पर केंद्रित होगा। अध्ययन नीति निर्माण के साथ-साथ कार्यान्वयन के विभिन्न आयामों में ज्ञान को बढ़ाएगा जबकि साथ ही विशिष्ट इनपुट के साथ पाठ्यचर्या विकसित करने में सहायता करेगा। 25 लघु अनुसंधान परियोजनाओं को पुरस्कृत किया गया। प्रत्येक लघु कार्य अनुसंधान परियोजना के परिणाम होंगे जो नीति निर्माण के साथ-साथ कार्यान्वयन आयामों को संभालने में मदद करेंगे जिससे रचनात्मक नीति निर्माण में योगदान होगा।

एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने ग्रामीण उद्यमिता को संबोधित करने के लिए वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओ.डी.ओ.पी.) अभियान शुरू किया। ओ.डी.ओ.पी. छात्रों के लिए इंटर्न का अध्ययन करने और अवधारणाओं को कौशल में बदलने का एक उत्कृष्ट अवसर है। इंटर्न देश भर के संबंधित जिलों में ओ.डी.ओ.पी. दृष्टिकोण के विपणन और ब्रांडिंग में पेशेवर मदद और समर्थन प्रदान करेंगे।

देश के 732 जिलों के लिए डिस्ट्रिक्ट ग्रीन चैंपियंस को पुरस्कृत करने के हिस्से के रूप में, एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने 1927 उच्चतर शिक्षण संस्थानों के प्राधानाचार्य, संकाय और छात्रों सहित 4926 प्रतिभागियों को शामिल करते हुए 258 जिला स्तरीय क्लस्टर कार्यशालाओं का आयोजन किया। एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने इससे पहले देश भर में सामुदायिक जुड़ाव, में शामिल 22,000 से अधिक उच्चतर शिक्षण संस्थानों के साथ काम करते हुए 400 जिला ग्रीन चैंपियंस से सम्मानित किया था।
हरियाली, जल संरक्षण, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, ऊर्जा प्रबंधन, स्वच्छता और स्वास्थ्य और कोविड जागरूकता और तैयारी। पुरस्कार जिला कलेक्टरों/आयुक्तों/मजिस्ट्रेट द्वारा प्रदान किए गए। अब, परिषद शेष 332 उच्चतर शिक्षा संस्थानों को जिलावार पुरस्कार देने की राह पर है, जिसे फरवरी 2022 तक चरण के अनुसार पूरा किया जाएगा।

चरणबद्ध एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई. एन.सी.ई.आर.टी. भोपाल के सहयोग से भारत की आजादी के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आजादी का अमृत महोत्सव प्रतियोगिताओं का आह्वान किया। जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) में कुल 23,126 प्रतिभागियों को शामिल करते हुए 428 व्यावसायिक शिक्षा और अनुभवात्मक शिक्षण कार्यशालाएँ आयोजित की गईं। कार्यशालाओं में चर्चा नई तालीम और विषय पद्धति, अनुभवात्मक शिक्षा के आसपास के विषय और विभिन्न विषय पद्धतियों के लिए उपकरणों के उपयोग के आसपास रही है।

हमारे पास आने वाले महीनों के लिए हमारे संगठनात्मक लक्ष्य हैं। मुझे यह घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही है कि हमारे कार्यों के लंबे समय तक चलने वाले परिणाम रहे हैं जिसके कारण हम इस वर्ष भी गतिविधियों को आगे बढ़ाने और उन्हें सफलतापूर्वक लागू करने में सक्षम हैं।

डॉ. डब्ल्यू. जी. प्रसन्न कुमार
अध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई.

मैं नए शिक्षा सचिव श्री के. संजय मूर्ति का हार्दिक स्वागत करता हुँ। एम.जी.एन.सी.आर.ई. नए शिक्षा सचिव द्वारा बताए गए एजेंडे के अनुसार काम करने के लिए तत्पर है।

शिक्षक दिवस हमारे शिक्षकों को धन्यवाद देने का एक अवसर है जिन्होंने हमारे वृद्धि और विकास में योगदान दिया है। जीवन में ज्ञान प्रदान करने के साथ-साथ शिक्षक हमारे जीवन को दिशा भी देते हैं। शिक्षक ज्ञान का स्रोत होता है। मैं छात्रों से शिक्षकों की सलाह का पालन करने और देश के अच्छे नागरिक बनने का आह्वान करता हुँ।

मैं उन 69 शोधकर्ताओं का स्वागत करता हैं जो अपने अध्ययन के माध्यम से रचनात्मक नीति निर्माण और कार्यान्वयन में योगदान देंगे। देश के विकास के लिए, ग्रामीण अध्ययन आवश्यक हैं और एम.जी.एन.सी.आर.ई. का यह अकादमिक हस्तक्षेप ग्रामीण सरोकारों के प्रति परिषद की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

एम.जी.एन.सी.आर.ई. के एक जिला एक उत्पाद अभियान की 3 जिला स्तरीय कार्यशालाओं में 56 संकाय सदस्यों के साथ 14 उच्चतर शिक्षण संस्थानों ने भाग लिया। इंटर्न खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय (एम.ओ.एफ.पी.आई.) के तहत माइक्रो फूड प्रोसेसिंग एंटरप्राइजेज (पी.एम.एफ.एम.ई.) योजना के जिला संसाधन व्यक्तियों के माध्यम से ग्रामीण उद्यमों के साथ उच्चतर शिक्षण संस्थानों को जोड़ने के लिए इस पहल पर काम कर रहे हैं। शेष 332 जिला ग्रीन चैंपियंस को पुरस्कृत करने के लिए हमारी स्वच्छता कार्य योजना कार्यशालाएं ट्रैक पर चल रही हैं।

डॉ. भरत पाठक
उपाध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई.

एम.जी.एन.सी.आर.ई. टीम ने मनाया शिक्षक दिवस
अध्यक्ष एम.जी.एन.सी.आर.ई. - हमेशा अग्रणी!

We Welcome You all
Happy Teachers Day

टीम एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के ऑनलाइन उत्सव का आयोजन किया। एम.जी.एन.सी.आर.ई. के अध्यक्ष डॉ. डब्ल्यू. जी. प्रसन्न कुमार को अनुभवात्मक शिक्षा और शिक्षण की दुनिया में उनके योगदान के लिए हार्दिक सम्मान किया गया। एम.जी.एन.सी.आर.ई. के अध्यक्ष ने सत्र को संबोधित करते हुए कहा, ***"शिक्षक सुनहरे दिलों के साथ पैदा होते हैं, संतों की तरह धैर्य रखते हैं और उनमें समर्पण के साथ-साथ प्रतिबद्धता भी होती है।"***

पी.एच.डी., प्रमुख और लघु अनुसंधान परियोजनाएं

देश की ग्रामीण चिंताओं को दूर करते हुए रचनात्मक नीति निर्माण की सर्वोत्कृष्ट आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए 69 शोध अध्ययन शुरू किए गए हैं। एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने वर्ष 2021-22 के लिए एम.जी.एन.सी.आर.ई. अनुसंधान परियोजनाओं (प्रमुख / लघु परियोजनाओं) और पी.एच.डी. फैलोशिप के लिए भारतीय सार्वजनिक नीति शोधकर्ताओं और कार्यान्वयन समीक्षा संगठन / अनुसंधान संगठनों को बुलाया। प्रस्तावित अध्ययन बहुविषयक हो सकते हैं या सामाजिक विज्ञान विषय से संबंधित हो सकते हैं। मानदंड और प्राथमिकता वाले क्षेत्र राज्य और केंद्र सरकारों द्वारा लागू की जाने वाली सार्वजनिक नीतियां हैं जो ग्रामीण भारत की चिंताओं को संबोधित करने वाले तत्व हैं।

20 पी.एच.डी. रिसर्च फेलोशिप राज्य और केंद्र सरकार द्वारा लागू की गई सार्वजनिक नीतियों के परिणामों पर अध्ययन के लिए प्रदान की गई थी, जिसमें ग्रामीण भारत की चिंताओं को संबोधित करने वाले तत्व थे।

24 प्रमुख अनुसंधान परियोजनाओं को पुरस्कृत किया गया। अध्ययन संबोधित मुद्दों और नीति निर्माण के साथ-साथ कार्यान्वयन के विभिन्न आयामों पर ज्ञान को बढ़ाएंगे जबकि साथ ही विशिष्ट इनपुट के साथ पाठ्यचर्या विकसित करने में सहायता करेंगे।

25 लघु अनुसंधान परियोजनाओं को पुरस्कृत किया गया। इन परियोजनाओं के परिणाम होंगे जो नीति निर्माण के साथ-साथ कार्यान्वयन आयामों को संभालने में मदद करेंगे जिससे रचनात्मक नीति निर्माण में योगदान होगा। एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने अध्ययन के लिए 29 सार्वजनिक नीतियों का सुझाव दिया / पहचान की -

1.मनरेगा- महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम 2005, 2. पी.एम.ए.वाई.-जी- प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण, 3. स्वामीत्व योजना, 4. मिशन अंत्योदय, 5. डी.डी.यू.जी.के.वाई. -.दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना, 6. पी.एम.जी.एस.वाई. - प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजना, 7. एन.एस.ए.पी.- राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम, 8. एस.पी.एम.आर.एम. - श्यामा प्रसाद मुखर्जी रूर्बन मिशन, 9. एस.ए.जी.वाई. - सांसद आदर्श ग्राम योजना, 10. सबकी योजना सबका विकास, 11. ग्राम समृद्धि एवं ग्राम स्वच्छता पखवाड़ा स्वच्छ ग्राम, 12. डी.ए.वाई.-एन.आर.एल.एम. -. दीनदयाल अंत्योदय योजना- राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, 13. ग्राम स्वराज अभियान, 14. संपूर्ण ग्रामीण योजना, 15. जल शक्ति अभियान और अटल भूजल योजना, 16. आयुष्मान भारत: पी.एम. आरोग्य योजना, 17. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 प्रदर्शन और वितरण, 18. आत्मनिर्भर भारत और ग्रामीण भारत, 19. किसान उत्पादक संगठन, 20. पी.एम. किसान योजना, 21. ग्रामीण सरोकारों को संबोधित करते हुए राज्य/केंद्र सरकार द्वारा किसी अन्य सार्वजनिक नीति का कार्यान्वयन, 22. पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक और शिक्षण मिशन, 23. जल जीवन मिशन, 24. समग्र शिक्षा जल सुरक्षा, 25. ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान, 26. पी.एम. ग्रामीण विकास फेलो, 27. पी.एम. उजाला योजना, 28. उजाला योजना 29. पी.एम. आकांक्षी जिला कार्यक्रम

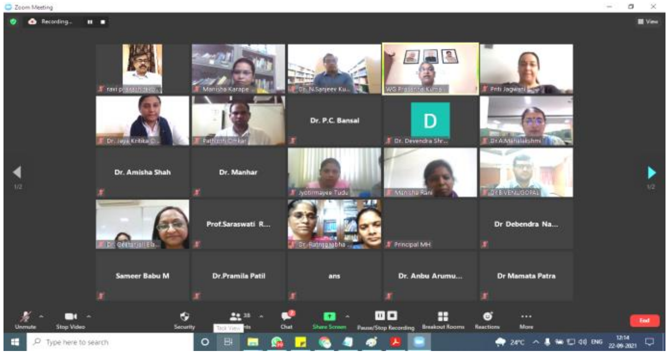

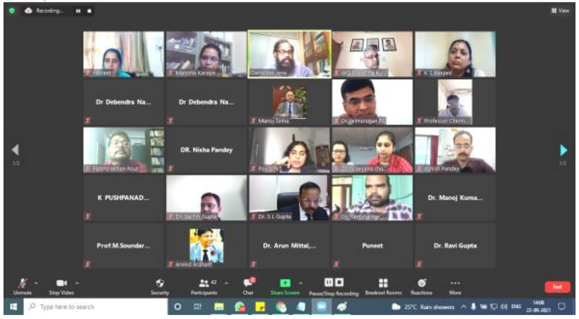

"प्रमुख कार्य अनुसंधान परियोजनाओं को नीति निर्माण के साथ-साथ कार्यान्वयन के विभिन्न आयामों में ज्ञान बढ़ाने की आवश्यकता है, जबकि साथ ही विशिष्ट इनपुट के साथ पाठ्यचर्या विकसित करने में सहायता की आवश्यकता है। अनुसंधान के परिणामों को प्रणालीगत हस्तक्षेपों के लिए इनपुट बनाने की आवश्यकता है और अनुसंधान को कार्यात्मक और हितधारकों के लिए उपयोगी होने की आवश्यकता है” विभिन्न राज्यों के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों और संस्थानों के 24 शोधकर्ताओं के लिए इंटरैक्टिव सत्र को संबोधित करते हुए अध्यक्ष एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने यह कहा। शोधकर्ताओं ने अपने शोध के विषयों को साझा किया और पाठ्यक्रम विकास में उनके संभावित योगदान के बारे में बताया।

“प्रत्येक लघु कार्य अनुसंधान परियोजना के परिणाम होने चाहिए जो नीति निर्माण के साथ-साथ कार्यान्वयन आयामों को संभालने में मदद करेंगे। अनुसंधान को रचनात्मक नीति में योगदान करने पर भी ध्यान केंद्रित करना चाहिए"25 लघु अनुसंधान परियोजना शोधकर्ताओं के साथ बातचीत में अध्यक्ष एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने पुष्टि की। उन्होंने नीति निर्माण और कार्यान्वयन में अपनी परियोजनाओं के संभावित योगदान के बारे में बताया।

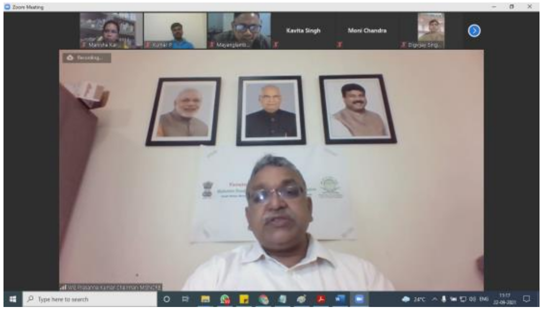

एम.जी.एन.सी.आर.ई. के अध्यक्ष डॉ. डब्ल्यू. जी. प्रसन्न कुमार 20 पी.एच.डी. उम्मीदवारों का स्वागत भाषण में कहा कि, ***"एम.जी.एन.सी.आर.ई. उन योगदानकर्ताओं की तलाश कर रहा है जो ज्ञान पैदा करेंगे, न कि जो केवल डॉक्टरेट की डिग्री हासिल करने के लिए पी.एच.डी. कर रहे हैं।"***प्रतिभागियों ने अपने पी.एच.डी विषयों के बारे में जानकारी साझा की और ग्रामीण समुदाय के प्रति उनके संभावित योगदान के बारे में बताया।

पी.एम.एफ.एम.ई., एम.ओ.एफ.पी.आई. के तहत एक जिला एक उत्पाद (ओ.डी.ओ.पी.) अभियान

उद्यमिता के लिए इंटर्नशिप..............

संस्थागत प्रणालियों और प्रक्रियाओं के साथ शिक्षण और सीखने की प्रक्रिया को मजबूत करने की जिम्मेदारी लेते हुए, एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने ग्रामीण उद्यमिता को संबोधित करने के लिए एक जिला एक उत्पाद (ओ.डी.ओ.पी.) अभियान शुरू किया। ओ.डी.ओ.पी. छात्रों के लिए इंटर्न का अध्ययन करने और अवधारणाओं को कौशल में बदलने का एक उत्कृष्ट अवसर है। प्रत्येक जिले को संबंधित ओ.डी.ओ.पी. उत्पाद लेने और उत्पाद की गुणवत्ता में सुधार, अधिशेष कृषि-उत्पाद के प्रबंधन और ग्रामीण से शहरी (खेत से घर) विपणन संबंध बनाने पर काम करने के तरीके खोजने की जरूरत है जो ग्रामीण कृषि उद्यमी को उसकी आय में सुधार करने में मदद कर सकते हैं। एक जिला एक उत्पाद अभियान के लिए 15 प्रशिक्षुओं का चयन किया गया।

इंटर्न देश भर के संबंधित जिलों में ओ.डी.ओ.पी. दृष्टिकोण के विपणन और ब्रांडिंग में पेशेवर मदद और समर्थन प्रदान करेंगे। प्रत्येक एच.ई.आई. के पांच संकाय सदस्यों को टीम लीडर बनाया जाता है।
1. ग्रामीण उद्यमों के साथ इंटर्नशिप और शिक्षुता 2. ग्रामीण उद्यमिता शुरू करना 3. ग्रामीण निर्माताओं के साथ नेटवर्किंग
4. ग्रामीण तकनीकी हस्तक्षेप विकसित करना 5. छात्रों को ग्रामीण उद्यमी बनाना। प्रत्येक संस्थान को मान्यता के एक संस्थागत प्रमाण पत्र से सम्मानित किया जाएगा।

56 संकाय सदस्यों के साथ 14 उच्चतर शिक्षण संस्थानों ने कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले और त्रिपुरा के उत्तरी त्रिपुरा और पश्चिम त्रिपुरा जिलों में 3 जिला स्तरीय कार्यशालाओं में भाग लिया। इंटर्न खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय (एम.ओ.एफ.पी.आई.) के तहत माइक्रो फूड प्रोसेसिंग एंटरप्राइजेज (पी.एम.एफ.एम.ई.) योजना के जिला संसाधन व्यक्तियों के माध्यम से ग्रामीण उद्यमों के साथ उच्चतर शिक्षण संस्थानों को जोड़ने के लिए इस पहल पर काम कर रहे हैं। छात्र संबंधित जिलों में ओ.डी.ओ.पी. दृष्टिकोण के विपणन और ब्रांडिंग में पेशेवर मदद और समर्थन देंगे।

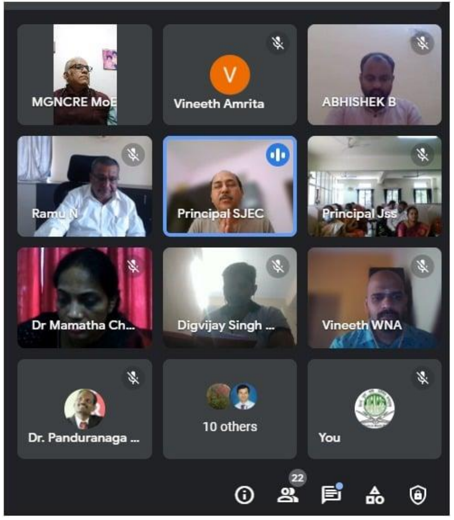
MGNCRE MoE
Vineeth Amrita
ABHISHEK B
Ramu N
Principal SJEC
Principal Jss
Dr Mamatha Ch...
Digvijay Singh ...
Vineeth WNA
Dr. Panduranaga ...
10 others
You
22

श्री दिलीप कुमार, सहायक निदेशक मात्स्यिकी, मात्स्यिकी विभाग, कर्नाटक सरकार, भारत सरकार ने दक्षिण कन्नड़ में किए जा रहे ओ.डी.ओ.पी. कार्यों को साझा किया। उन्होंने कहा, "छोटे उद्यमों को समुद्री भोजन के सुखाने और संवर्धन के लिए विद्युत संचालित स्वचालित ड्रायर जैसी सुविधाओं की आवश्यकता होती है।" श्री रियो, एस.जे.ई.सी. के प्राचार्य डी.के. जे.एस.एस., धारवाड़ के प्रो. नागवेनी ने कार्यक्रम को लागू करने में समावेश और समानता के महत्व को साझा किया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि समान अवसर को सक्षम करने के लिए सभी को लाभ दिया जाए। 28 सितंबर को आयोजित कार्यशाला का आयोजन बेंगलुरु शहरी (ओ.डी.ओ.पी.) के जिला संसाधन व्यक्ति श्री अभिषेक द्वारा किया गया था।

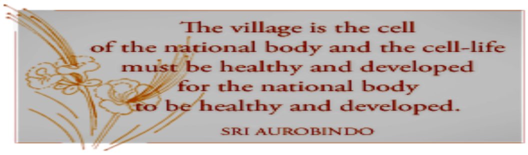

The village is the cell
of the national body and the cell-life
must be healthy and developed
for the national body
to be healthy and developed.
SRI AUROBINDO

एक जिला एक उत्पाद - यह योजना इनपुट की खरीद, सामान्य सेवाओं का लाभ उठाने और उत्पादों के विपणन के मामले में पैमाने का लाभ उठाने के लिए एक जिला एक उत्पाद (ओ.डी.ओ.पी.) दृष्टिकोण अपनाती है। योजना के लिए ओ.डी.ओ.पी. मूल्य श्रृंखला विकास और समर्थन बुनियादी ढांचे के संरेखण के लिए ढांचा प्रदान करेगा। एक जिले में ओ.डी.ओ.पी. उत्पादों के एक से अधिक समूह हो सकते हैं। एक राज्य में एक से अधिक निकटवर्ती जिलों से मिलकर ओ.डी.ओ.पी. उत्पादों का एक समूह हो सकता है।

राज्य जल्द खराब होने वाली योजना के फोकस को ध्यान में रखते हुए जिले के लिए खाद्य उत्पाद की पहचान करेंगे। राज्य सरकार द्वारा आधारभूत अध्ययन किया जाएगा। ओ.डी.ओ.पी. उत्पाद खराब होने वाली कृषि उपज, अनाज आधारित उत्पाद या किसी जिले और उनके संबद्ध क्षेत्रों में व्यापक रूप से उत्पादित खाद्य उत्पाद हो सकता है। ऐसे उत्पादों की एक उदाहरण सूची में आम, आलू, लीची, टमाटर, टैपिओका, किन्नू, भुजिया, पेठा, पापड़, अचार, बाजरा आधारित उत्पाद, मत्स्य पालन, मुर्गी पालन, मांस के साथ-साथ पशु चारा शामिल हैं। इसके अलावा, योजना के तहत अपशिष्ट से धन उत्पादों सहित कुछ अन्य पारंपरिक और नवीन उत्पादों का समर्थन किया जा सकता है। उदाहरण के लिए, आदिवासी क्षेत्रों में शहद, लघु वन उत्पाद, पारंपरिक भारतीय हर्बल खाद्य पदार्थ जैसे आंवला, हल्दी, आदि।

कृषि उत्पादों के लिए समर्थन उनके प्रसंस्करण के साथ-साथ अपव्यय को कम करने, उचित परख और भंडारण और विपणन के प्रयासों के लिए होगा।

वाणिज्य विभाग कृषि निर्यात नीति के तहत निर्यात के समर्थन के लिए क्लस्टर दृष्टिकोण पर कृषि फसलों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, और कृषि मंत्रालय तुलनात्मक लाभ वाले जिलों में विशिष्ट कृषि उत्पादों के विकास के लिए क्लस्टर दृष्टिकोण पर भी ध्यान केंद्रित कर रहा है। योजना के ओ.डी.ओ.पी. दृष्टिकोण से सामान्य सुविधाएं और अन्य सहायता सेवाएं प्रदान करने में आसानी होगी

Source: https://mofpi.nic.in/pmfme/one-district-one-product

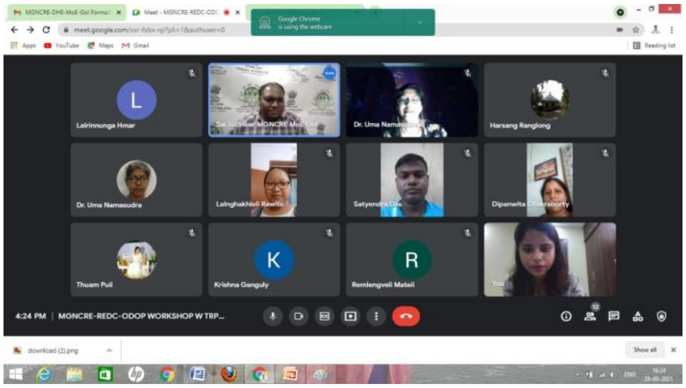
Google Chrome
is using the webcam
Lalrinnunga Hmar
Dr. Uma Namasudra
Harsang Ranglong
Dr. Uma Namasudra
Satyendra Das
Thuam Puii
Krishna Ganguly
Remlengveli Mateii
You
4:24 PM | MGNCRE-REDC-ODOP WORKSHOP W TRP...
download (2).png
Show all

"हर एक का विकास एक आत्मनिर्भर भारत की पहचान है" - एक जिला एक उत्पाद (ओ.डी.ओ.पी.) के माध्यम से ग्रामीण उद्यमिता को प्रोत्साहित करें - इनपुट की खरीद, आम सेवाओं का लाभ उठाने और उत्पादों के विपणन के मामले में पैमाने का लाभ उठाने के लिए पेश किया गया था। यह कृषि उत्पादों को उनके प्रसंस्करण के साथ-साथ अपव्यय को कम करने, उचित परख और भंडारण और विपणन के प्रयासों के लिए सहायता प्रदान करेगा। त्रिपुरा में उत्तरी त्रिपुरा जिले के विभिन्न उच्चतर शिक्षण संस्थानों के संकाय सदस्यों ने 28 सितंबर को आयोजित कार्यशाला में भाग लिया और उत्तरी त्रिपुरा में ओ.डी.ओ.पी. को बढ़ावा देने में ग्रामीण उद्यमों को समर्थन देने का वादा किया। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के जिला संसाधन व्यक्ति श्री कृति सुंदर डे ने कार्यशाला के दौरान ओ.डी.ओ.पी. दृष्टिकोण के बारे में अपनी अंतर्दृष्टि साझा की और बताया कि यह छात्रों को उद्यमी बनने में कैसे मदद करेगा।

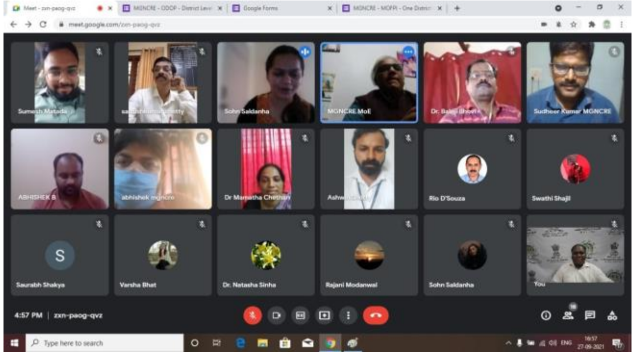
4:57 PM | zxn-paog-qvz

प्रत्येक नागरिक के लिए अपने "लोकल(स्थानीय)" उत्पादों के बारे में "वोकल(मुखर)" बनने और उन्हें "ग्लोबल(वैश्विक))" बनाने का समय आ गया है। वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओ.डी.ओ.पी.) दृष्टिकोण - कृषि उत्पादों के लिए समर्थन उनके प्रसंस्करण के साथ-साथ अपव्यय को कम करने, उचित परख और भंडारण और विपणन के प्रयासों के लिए होगा। कर्नाटक में दक्षिण कन्नड़ जिले के विभिन्न उच्चतर शिक्षण संस्थानों के संकाय सदस्यों ने ओ.डी.ओ.पी. दृष्टिकोण पर कार्यशाला में भाग लिया और अपने उत्पादों को बढ़ावा देने में ग्रामीण उद्यमों को समर्थन देने का वादा किया। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के जिला संसाधन व्यक्ति श्री बी. अभिषेक ने कार्यशाला के दौरान ओ.डी.ओ.पी. दृष्टिकोण के बारे में अपनी अंतर्दृष्टि साझा की।

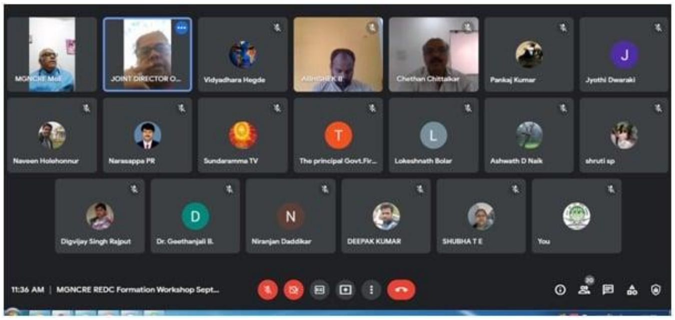
11:36 AM | MGNCRE REDC Formation Workshop Sept...

कर्नाटक के 9 जिलों के 14 उच्चतर शिक्षा संस्थानों के प्रधानाचार्यों और संकाय सदस्यों ने 29 सितंबर को विचार नेतृत्व सत्र में भाग लिया और छात्रों को रोजगार योग्य बनाने के लिए मूल्य आधारित शैक्षिक गतिविधियों की आवश्यकता को स्वीकार किया। ग्रामीण उद्यमों को एक जिला एक उत्पाद (ओ.डी.ओ.पी.) से जोड़ने की एम.जी.एन.सी.आर.ई. की पहल छात्रों के लिए इंटर्नशिप शुरू करने और उद्यमिता के साथ समाप्त होने के अवसरों को शुरु करना है। ओ.डी.ओ.पी. कार्यान्वयन के तौर-तरीकों को श्रीमती पुष्पा, सहायक निदेशक कृषि, चिक्कबल्लापुर द्वारा साझा किया गया। डिग्री कॉलेज के छात्रों के पास उद्यमशीलता की गतिविधियों को करने का एक अच्छा अवसर है और स्थानीय नोडल एजेंसियों द्वारा समर्थित होगा - प्रो. नरसप्पा ने डिग्री कॉलेज के छात्रों के लिए ग्रामीण संस्थाओं और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सुधार के विचारों पर एक परियोजना रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए अनिवार्य बनाने पर जोर दिया। प्रो. टी.सी. सुंदरम्मा ने छात्रों को 'आत्मनिर्भर' बनाने और अपनी आजीविका कमाने के अवसर पैदा करने पर अपने विचारों को प्रतिध्वनित किया। प्रत्येक जिले को संबंधित ओ.डी.ओ.पी. उत्पाद लेने और उत्पाद की गुणवत्ता में सुधार के तरीके खोजने, अधिशेष कृषि उपज के प्रबंधन और ग्रामीण से शहरी (खेत से घर) विपणन लिंक बनाने पर काम करने की आवश्यकता है जो ग्रामीण कृषि उद्यमी को उसकी आय में सुधार करने में मदद कर सकता है। कार्यक्रम का संचालन श्री अभिषेक, जिला संसाधन व्यक्ति, ओ.डी.ओ.पी., बेंगलुरु अर्बन द्वारा किया गया था।

> "गांधी ईमानदारी, अखंडता, करुणा और मानवता के प्रतीक थे। ओडिशा में गांधी के आगमन की शताब्दी के अवसर पर, मैं लोगों से हस्तशिल्प उद्योग और स्थानीय कारीगरों को प्रोत्साहित करने के लिए **'वोकल फॉर लोकल'** मंत्र का समर्थन करने का आग्रह करता हूँ। आत्मनिर्भर भारत की दृष्टि में स्थानीय कारीगर एक महत्वपूर्ण दल हैं,"
>
> श्री धर्मेंद्र प्रधान केंद्रीय शिक्षा मंत्री

10:11 AM | MGNCRE REDC Formation Workshop Sept...

कर्नाटक राज्य कृषि उत्पाद प्रसंस्करण और निर्यात निगम लिमिटेड (के.ए.पी.पी.ई.सी.) ने बेंगलुरु शहरी जिले से नवगठित ग्रामीण उद्यमिता विकास प्रकोष्ठों (आर.ई.डी.सी.) के प्रधानाचार्यों और संकाय के साथ बातचीत की। पंद्रह कॉलेजों ने श्री जयस्वामी, जे.डी.ए. और श्रीमती मथुरा पाई, एडीए (बेंगलुरु शहरी) के साथ प्रबंधन और व्यावसायिक अध्ययन के छात्रों के लिए इंटर्नशिप के अवसरों पर एक जीवंत बातचीत में भाग लिया। कार्यक्रम कार्यान्वयन के चरण में है। संकायों ने छात्रों की रुचि (ग्रामीण उद्यमिता में) प्राप्त करने और ओ.डी.ओ.पी. गतिविधियों में भाग लेने के विभिन्न साधनों पर चर्चा की। ओ.डी.ओ.पी. छात्रों के लिए इंटर्न का अध्ययन करने और अवधारणाओं को कौशल में बदलने का एक उत्कृष्ट अवसर है। कार्यक्रम का संचालन श्री अभिषेक, जिला संसाधन व्यक्ति, ओ.डी.ओ.पी. द्वारा किया गया।

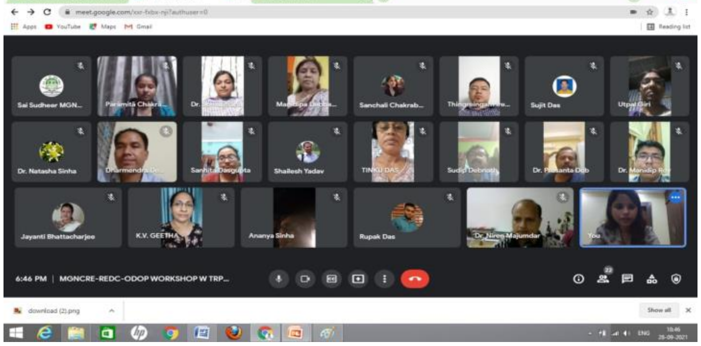
6:46 PM | MGNCRE-REDC-ODOP WORKSHOP W TRP...

त्रिपुरा में पश्चिम त्रिपुरा जिले के विभिन्न उच्चतर शिक्षण संस्थानों के संकाय सदस्यों ने 28 सितंबर को आयोजित ओ.डी.ओ.पी. कार्यशाला में भाग लिया और पश्चिमी त्रिपुरा के ओ.डी.ओ.पी. उत्पाद यानी बेकरी उत्पादों के प्रचार में ग्रामीण उद्यमों को समर्थन देने का वादा किया। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय की जिला संसाधन व्यक्ति सुश्री परमिता चक्रवर्ती ने कार्यशाला के दौरान ओ.डी.ओ.पी. दृष्टिकोण के बारे में अपनी अंतर्दृष्टि साझा की और बताया कि यह कैसे छात्रों को उद्यमी बनने में मदद करेगा।

WG Prasanna Kumar Chairman MGNCRE
MGNCRE MoE
manoj parmar
Dr. Panduranaga ...
Principal Jss
6 others
You

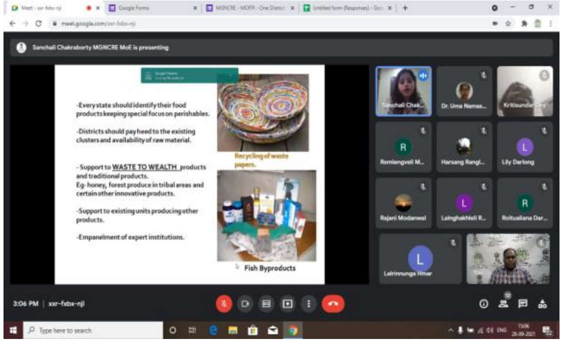
Sanchali Chakraborty MGNCRE MoE is presenting

-Every state should identify their food products keeping special focus on perishables.

-Districts should pay heed to the existing clusters and availability of raw material.

- Support to WASTE TO WEALTH products and traditional products.
Eg- honey, forest produce in tribal areas and certain other innovative products.

-Support to existing units producing other products.

-Empanelment of expert institutions.

Recycling of waste papers.
Fish Byproducts
3:06 PM | xxr-fxbx-njl

आजादी का अमृत महोत्सव
डाइट में नई तालीम, व्यावसायिक शिक्षा और अनुभवात्मक शिक्षा की गतिविधियाँ

एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई. एन.सी.ई.आर.टी. भोपाल के सहयोग से भारत की आजादी के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में **आजादी का अमृत महोत्सव प्रतियोगिताओं** का आह्वान किया। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) के छात्र जिनके पास व्यावसायिक शिक्षा नई तालीम और प्रायोगिक शिक्षा (वी.ई.एन.टी.ई.एल.) प्रकोष्ठ हैं, वे **15 अगस्त से 5 सितंबर तक** प्रतियोगिताओं में भाग ले रहे हैं। उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तराखंड, जम्मू और कश्मीर, गुजरात, मिजोरम, दिल्ली, सिक्किम और पश्चिम बंगाल राज्यों के जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) में कुल **23,126** प्रतिभागियों को शामिल करते हुए **428** व्यावसायिक शिक्षा और अनुभवात्मक शिक्षण कार्यशालाएँ आयोजित की गईं। फोकस क्षेत्रों में व्यावसायिक शिक्षा, आत्मनिर्भरता, स्वच्छता और स्वास्थ्य और सामुदायिक जुड़ाव शामिल हैं। कार्यशालाओं में चर्चा नई तालीम और विषय पद्धति, अनुभवात्मक शिक्षा के आसपास के विषय और विभिन्न विषय पद्धतियों के लिए उपकरणों के उपयोग के आसपास रही है। कम से कम एक व्यवसाय से संबंधित **18,481** कार्य योजनाएँ प्राप्त हुईं। आजादी का अमृत महोत्सव के हिस्से के रूप में आयोजित किए गए प्रतियोगिताओं ने पड़ोस में व्यवसाय में लगे लोगों और सम्मान के महत्व और आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

व्यावसायिक शिक्षा - डाइट कार्यशालाएँ - सितंबर 2021

#	राज्य	कार्यशालाएँ	कार्य योजनाएँ प्राप्त हुईं
1	गुजरात	9	481
2	महाराष्ट्र	17	2002
3	उत्तर प्रदेश	15	906
4	मिजोरम	2	103
5	सिक्किम	1	10
6	पश्चिम बंगाल	9	577
7	झारखंड	2	121
8	जम्मू और कश्मीर	9	257
9	दिल्ली	5	604
10	उतराखंड	13	142
11	बिहार	16	1314
12	राजस्थान	10	476
13	असम	10	381
14	कर्नाटक	1	11
		119	**7385**

व्यावसायिक शिक्षा कार्यशाला - कर्नाटक

"गांधीजी की बुनियादी शिक्षा, जिसकी कल्पना 1937 में की गई थी, ने व्यावसायिक कौशल पर जोर दिया जो हमारे जीवन को प्रबंधित करने में मदद करता हैं; शिक्षा केवल ज्ञान के बारे में नहीं है; व्यावसायिक शिक्षा के एकीकरण के माध्यम से समग्र शिक्षा समय की आवश्यकता है", **श्री एम.आर. मारुति, निदेशक, राज्य शिक्षा अनुसंधान और प्रशिक्षण विभाग (डी.एस.ई.आर.टी.)**, कर्नाटक में 23 सितंबर, 2021 को एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा आयोजित व्यावसायिक शिक्षा अध्यापन कार्य योजना 2021-22 पर ऑनलाइन राज्य स्तरीय कार्यशाला के दौरान कहा हैं।

डाइट और सरकारी शिक्षक शिक्षा कॉलेजों के प्रधानाचार्यों और संकाय सदस्यों ने एक जिला एक उत्पाद प्रमुख फसलों और क्राफ्ट के माध्यम से व्यावसायिक शिक्षा पद्धति को डी. एल. एड. पाठ्यक्रम में एकीकृत करने के दिलचस्प तरीके साझा किए। डाइट शिमोगा ने कहा यह नवाचार करेगा और छात्रों को अनानास गुलकंद तैयार करने के लिए प्रेरित करेगा, जबकि डाइट कोलार ने टमाटर केचप की तैयारी को चुना; डाइट तुमकुर नारियल आधारित उत्पादों को प्रोत्साहित करेगा और डाइट कुमता कटहल से पापड़ बनाना शुरू करेगी - ये कुछ उत्साही और उत्तेजित लोगों द्वारा साझा किए गए विचार थे। कार्यशाला के दौरान कर्नाटक के डी.एस.ई.आर.टी., डाइट और सी.टी.ई. से उत्साहित प्रतिभागियों ने कार्यशाला में लगभग 140 प्रधानाध्यापकों और संकायों ने भाग लिया।

"हम इस कार्यशाला से बहुत प्रेरित हैं। हम स्थानीय शिल्प और फसलों की सुंदरता को शिक्षक शिक्षा और स्कूली पाठ्यक्रम के साथ उनके अनुभवात्मक सीखने के एक भाग के रूप में एकीकृत करेंगे। एन.ई.पी. 2020 के प्रावधानों और सिफारिशों को ध्यान में रखते हुए हम इसे अपने जिले में एक अभ्यास के रूप में लेंगे।' डाइट धारवाड़ की फैकल्टी डॉ. रेणुका अमलाजारी ने कहा, "हमने सीखा कि हैंड हार्ट और हेड का समन्वय कैसे किया जाता है और हमें व्यावसायिक शिक्षा के माध्यम से छात्रों को आर्थिक मूल्य के साथ उत्पादक कार्यों के लिए सक्षम क्यों बनाना चाहिए।" श्रीमती पार्वती डी.एस.ई.आर.टी. की कार्यशाला की समन्वयक थीं।

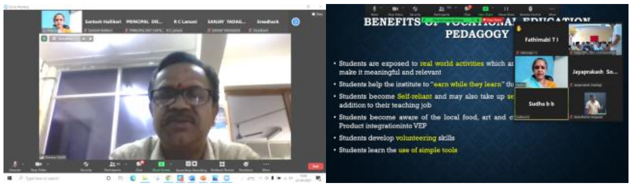
BENEFITS OF VOCATIONAL EDUCATION PEDAGOGY
Students are exposed to real world activities which make it meaningful and relevant
Students help the institute to "earn while they learn"
Students become Self-reliant and may also take up
Students develop volunteering skills
Students learn the use of simple tools

कार्यशाला को संबोधित करते हुए निदेशक डी.एस.ई.आर.टी. कर्नाटक

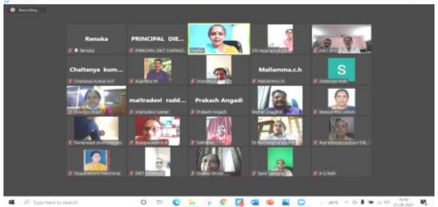

AZADI KA AMRIT MAHOTSAV FOR DIET STUDE
One District One Produ
Your Food will be Your DISTRICT'S IDENTITY

देश की आजादी के 75वें वर्ष के उपलक्ष्य में पड़ोस में काम करने वालों को सम्मानित करने के लिए एम.जी.एन.सी.आर.ई. के आह्वान के जवाब में, कई उच्चतर शिक्षा संस्थानों ने अपनी गतिविधियों में भेजा। सेंट एन्स कॉलेज ऑफ एजुकेशन (ऑटोनॉमस) सिकंदराबाद - एम.एड. छात्रों के प्रयास उन लोगों को सम्मानित करने का जो हमारी मदद करते हैं -

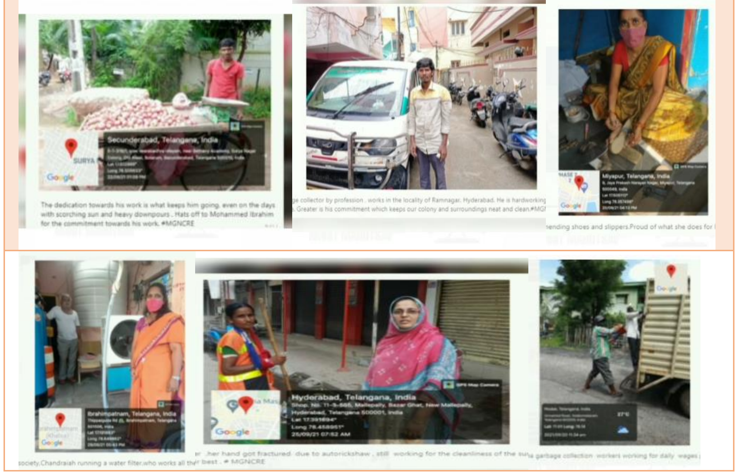

अन्य राज्यों में डाइट कार्यशालाओं की झलक

डाइट नवसारी गुजरात

MGNCRE - Cells/Committees in HEIs

डाइट औरंगाबाद महाराष्ट्र

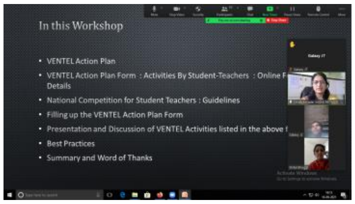
In this Workshop

- VENTEL Action Plan
- VENTEL Action Plan Form : Activities By Student-Teachers : Online F
  Details
- National Competition for Student Teachers : Guidelines
- Filling up the VENTEL Action Plan Form
- Presentation and Discussion of VENTEL Activities listed in the above f
- Best Practices
- Summary and Word of Thanks

डाइट यवतमाल महाराष्ट्र

डाइट जालना महाराष्ट्र

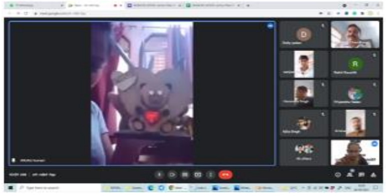
डाइट फिरोजाबाद

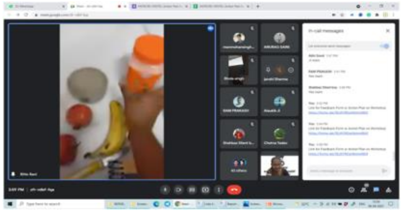
डाइट फतेहपुर

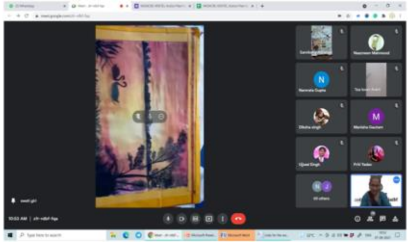
डाइट संत रानीदास नगर (भदोही):

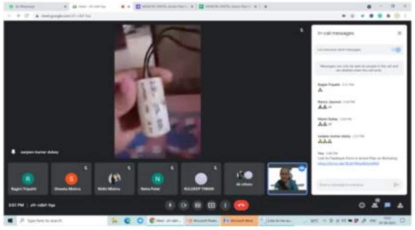
डाइट सिद्धार्थ नगर

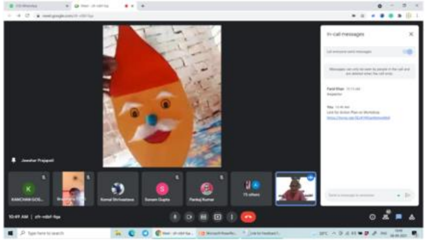
डाइट जालौन

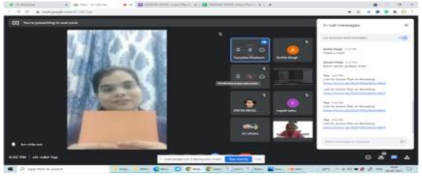
डाइट झासी

डाइट महाराजगंज

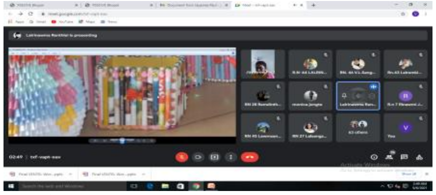
डाइट सेरछिप

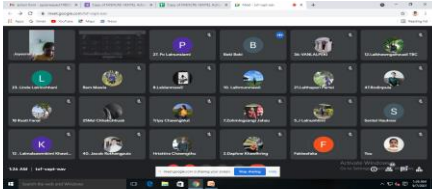
डाइट चंपाई

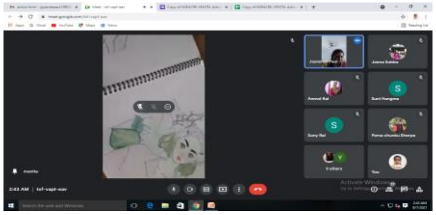
पश्चिम सिक्किम

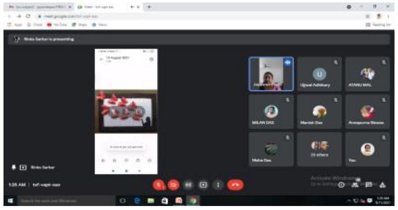
डाइट नादिया

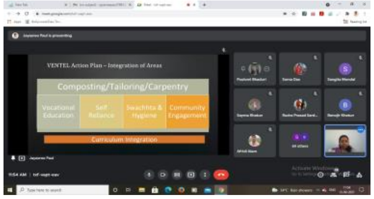
VENTEL Action Plan – Integration of Areas
Composting/Tailoring/Carpentry
Vocational Education
Self Reliance
Swachhta & Hygiene
Community Engagement
Curriculum Integration
डाइट मुर्शिदाबाद

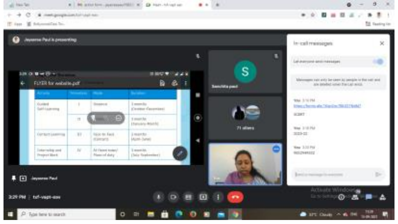
डाइट उत्तर दिनाजपुर

डाइट पूर्व मेदिनीपुर

व्यावसायिक शिक्षा अध्यापन 1-दिवसीय कार्यशाला के लिए सूत्रधार मैनुअल

स्वतंत्रता के बाद से प्रत्येक शिक्षा आयोग ने व्यावसायिक शिक्षा की आवश्यकता पर बल दिया है और यह वास्तव में समय की आवश्यकता है कि भारत में सभी स्कूल और उच्चतर शिक्षण संस्थान भी व्यावसायिक शिक्षा को एक विशेष स्थान दें। यह मैनुअल बताता है कि कैसे व्यावसायिक शिक्षा अध्यापन कार्यशाला "एक जिला एक फसल और क्राफ्ट" के माध्यम से व्यावसायिक गतिविधियों पर केंद्रित है, छात्र शिक्षकों के लिए अनुभवात्मक शिक्षा के लिए एक मंच प्रदान कर सकती है और "सीखते समय कमाएँ" अवधारणा को भी सुदृढ़ कर सकती है। यह भारत सरकार के आत्मानिर्भर भारत और वोकल फॉर लोकल मिशन के अनुरूप भी है।

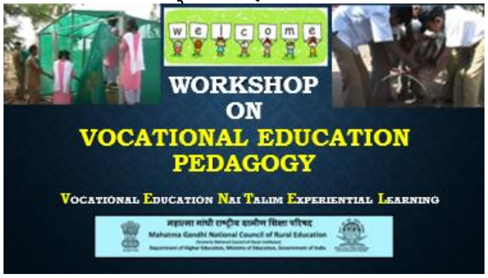

WORKSHOP
ON
VOCATIONAL EDUCATION
PEDAGOGY

VOCATIONAL EDUCATION NAI TALIM EXPERIENTIAL LEARNING

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद
Mahatma Gandhi National Council of Rural Education
(formerly National Council of Rural Institutes)
Department of Higher Education, Ministry of Education, Government of India

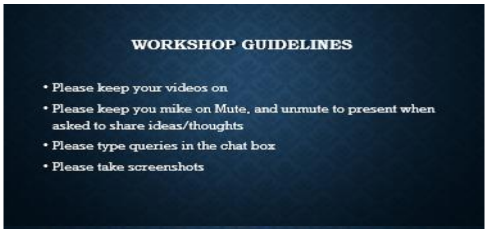
WORKSHOP GUIDELINES

- Please keep your videos on
- Please keep you mike on Mute, and unmute to present when asked to share ideas/thoughts
- Please type queries in the chat box
- Please take screenshots

VENTEL (VOCATIONAL EDUCATION-NAI TALIM-EXPERIENTIAL LEARNING)

VENTEL CELLS

Certificate

समुदाय के साथ उनकी कठिनाइयों को समझने और समाधान खोजने के लिए काम करना व्यावसायिक शिक्षा अध्यापन का एक अन्य पहलू है जिसे इस कार्यशाला में एक केस स्टडी के माध्यम से शामिल किया गया है। प्रतिभागियों को विजयवाड़ा में अभ्यास विद्यालय के एक और वीडियो केस स्टडी के माध्यम से अनुभवात्मक शिक्षण गतिविधियों के कार्यान्वयन से भी अवगत कराया जाता है। इस मैनुअल में प्री-वर्कशॉप, वर्कशॉप और पोस्ट-वर्कशॉप चरणों का स्पष्ट विवरण दिया गया है।

ग्रामीण प्रबंधन / ग्रामीण उदयमिता

सुविधाओं और विशेषज्ञता को साझा करके ग्रामीण प्रबंधन में व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए आपसी संबंधों की खोज, विस्तार और मजबूत करने के लिए **5** समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए -

1. टेरी स्कूल ऑफ एडवांस स्टडीज, नई दिल्ली
2. वैकुंठ मेहता राष्ट्रीय सहकारी प्रबंधन संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र
3. श्री सरस्वती त्यागराज कॉलेज, पोलाची, तमिलनाडु
4. मरूधर केसरी जैन कॉलेज फॉर विमेन, वानियमबाडी, तिरुपट्टूर, तमिलनाडु
5. चंडीगढ़ बिजनेस स्कूल ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, जलंधर, पंजाब

ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए **4 राउंड टेबल बैठक** आयोजित की गई -

1. मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई 2. श्रीनिधि विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान (एस.एन.आई.एस.टी.) हैदराबाद 3. श्री संगमेश्वर कला, वाणिज्य, बी.एस.डब्ल्यू. और पी.जी. कॉलेज, बेलगावी और 4. पेट्रीशियन कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, अड्यार, चेन्नई

एस.एन.आई.एस.टी., हैदराबाद में राउंड टेबल बैठक

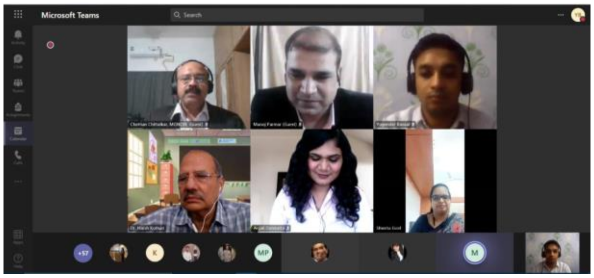

सामाजिक उद्यमिता कार्यक्रम

डिस्ट्रिक्ट ग्रीन चैंपियन - स्वच्छता कार्य योजना जिला स्तरीय क्लस्टर कार्यशालाएं

देश के 732 जिलों के लिए डिस्ट्रिक्ट ग्रीन चैंपियंस को पुरस्कृत करने के हिस्से के रूप में, एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने 1927 उच्चतर शिक्षण संस्थानों के प्रधानाचार्य, संकाय और छात्रों सहित 4926 प्रतिभागियों को शामिल करते हुए 258 जिला स्तरीय क्लस्टर कार्यशालाओं का आयोजन किया। एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने इससे पहले देश भर में सामुदायिक व्यस्तता, हरियाली, जल संरक्षण, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, ऊर्जा प्रबंधन, स्वच्छता और स्वास्थ्य और कोविड जागरूकता और तैयारी में शामिल 22,000 से अधिक उच्चतर शिक्षण संस्थानों के साथ काम करते हुए 400 जिला ग्रीन चैंपियंस से सम्मानित किया था। पुरस्कार जिला कलेक्टरों/आयुक्तों/मजिस्ट्रेट द्वारा प्रदान किए गए। अब, परिषद शेष 332 एच.ई.आई. को जिलावार पुरस्कृत करने की राह पर है, जिसे फरवरी 2022 तक चरणबद्ध तरीके से पूरा किया जाएगा।

138 एच.ई.आई. ने कोविड लहर के बाद कैंपस में चुनौतियों की पहचान करना और उन पर विचार करना पूरा कर लिया था और प्रतिक्रिया में गतिविधियों को डिजाइन किया था। ये कॉलेज अगले चालीस दिनों तक समयबद्ध गतिविधियों के साथ काम करेंगे।

कार्यशालाओं में तैयारी, योजना, समय-सीमा, स्व-मूल्यांकन विधियाँ, रेटिंग, स्वच्छता कार्य योजना (एस.ए.पी.) गतिविधियों के माध्यम से परिसर और गांवों में कार्रवाई अनुसंधान के लिए संकाय सदस्यों के झुकाव और सामाजिक उदयमिता के साथ स्वच्छता के समीकरण पर ध्यान केंद्रित किया गया। अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस एस.ए.पी. गतिविधियों से जुड़ा था और परिसर में स्वच्छता के कार्यान्वयन की गंभीरता से जुड़ा था। महत्वपूर्ण गतिविधियों में साइनेज और साइनबोर्ड के रूप में स्वच्छ नीति का प्रदर्शन और स्वच्छ शपथ लेना शामिल है। स्वच्छता कार्य योजना और स्वच्छ भारत अभियान की उपलब्धियों को संकेतों में दोहराया गया।

अभूतपूर्व चुनौती कोविड के बाद - 61 एच.ई.आई. ने छात्र टीमों को भैतिक रूप से शामिल करने वाली गतिविधियों पर रिपोर्ट साझा की है।

"स्वच्छता और साफ-सफाई यह नहीं है कि आप कितने अमीर या गरीब हैं बल्कि यह मानसिकता और सिद्धांत पर निर्भर करता है।" - ***इकेचुकु ज़ुआकोर।***

Partnering with Institutions and Agencies for Swachh Campus

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद
(पुर्व में राष्ट्रीय ग्रामीण संस्थान परिषद)
उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

5-1-174, शक्कर भवन, फतेह मैदान रोड, बशीरबाघ, हैदराबाद, तेलंगाना - 500004
दूरभाष: 040-23212120, 23422105, फैक्स: 040-23212114, ई-मेल: admin@mgncre.in , वेबसाइट: www.mgncre.org
संपादकीय टीम: डॉ. डब्ल्यू. जी. प्रसन्न कुमार, अध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई., डॉ.डी.एन.दास, सहायक निदेशक, अनसूया .वी, संपादक
महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद (एम.जी.एन.सी.आर.ई.) की ओर से डॉ. डब्ल्यू. जी. प्रसन्न कुमार अध्यक्ष एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा प्रकाशित और मुद्रित